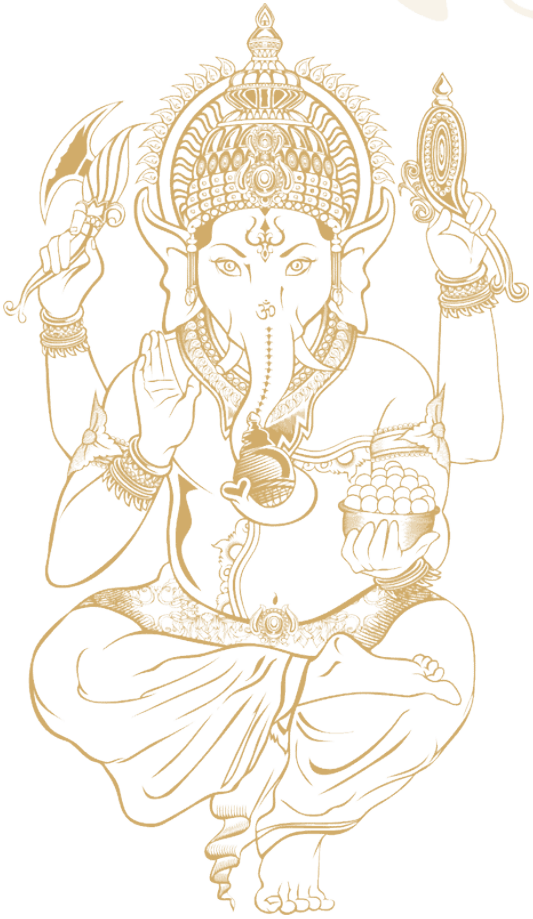

Anshika Tripathi

31 Jan 2005

10:10 AM

Sultanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121216605

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31/01/2005**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**10:10:00 घंटे**
इष्ट	08:27:36 घटी
स्थान	**Sultanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:15:00 उत्तर
रेखांश	82:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:08:16 घंटे
वेलान्तर	-00:13:28 घंटे
साम्पातिक काल	18:50:17 घंटे
सूर्योदय	06:46:57 घंटे
सूर्यास्त	17:43:42 घंटे
दिनमान	10:56:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	17:28:40 मकर
लग्न के अंश	23:21:46 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	धृति
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ठ-ठुमकी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	23:21:46	488:15:22	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	---
सूर्य			मक	17:28:40	01:00:54	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	22:01:27	12:43:14	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			धनु	01:26:17	00:42:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	मक	07:37:12	01:36:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	सम राशि
गुरु			कन्या	24:55:50	00:00:22	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मक	02:59:33	01:15:09	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	28:34:22	00:04:32	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	01:43:54	00:00:55	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	01:43:54	00:00:55	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
हर्ष			कुंभ	11:25:02	00:03:13	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप			मक	21:00:39	00:02:17	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	29:47:00	00:01:40	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			धनु	17:38:13	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:35

लग्न-चलित

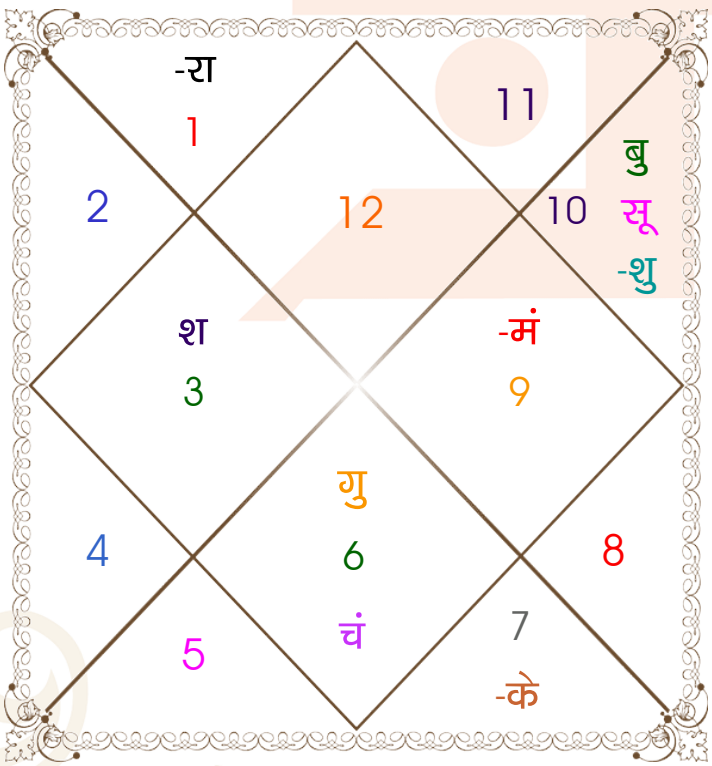

चन्द्र कुंडली

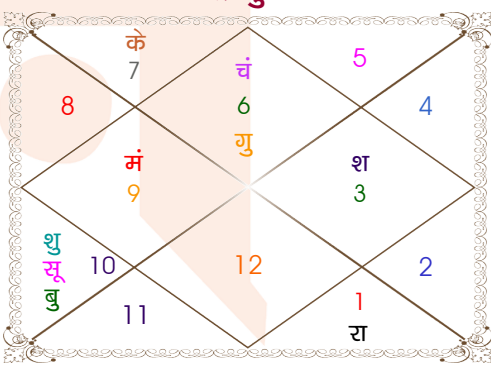

नवमांश कुंडली

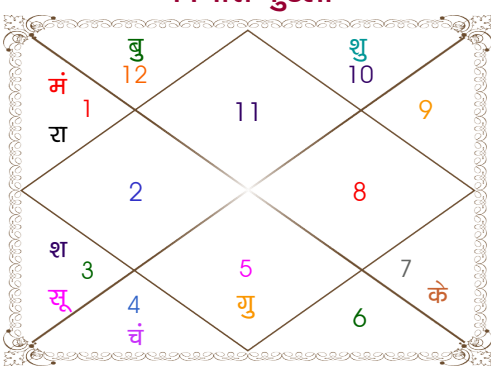

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 11 मास 23 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
31/01/2005		25/01/2006		24/01/2013		25/01/2031		25/01/2047	
25/01/2006		24/01/2013		25/01/2031		25/01/2047		25/01/2066	
	00/00/0000	मंगल	23/06/2006	राहु	07/10/2015	गुरु	14/03/2033	शनि	28/01/2050
	00/00/0000	राहु	11/07/2007	गुरु	02/03/2018	शनि	25/09/2035	बुध	07/10/2052
	00/00/0000	गुरु	16/06/2008	शनि	06/01/2021	बुध	31/12/2037	केतु	16/11/2053
	00/00/0000	शनि	26/07/2009	बुध	26/07/2023	केतु	07/12/2038	शुक्र	15/01/2057
	00/00/0000	बुध	23/07/2010	केतु	13/08/2024	शुक्र	07/08/2041	सूर्य	28/12/2057
	00/00/0000	केतु	19/12/2010	शुक्र	14/08/2027	सूर्य	26/05/2042	चंद्र	29/07/2059
	31/01/2005	शुक्र	18/02/2012	सूर्य	07/07/2028	चंद्र	25/09/2043	मंगल	06/09/2060
शुक्र	26/07/2005	सूर्य	25/06/2012	चंद्र	06/01/2030	मंगल	31/08/2044	राहु	14/07/2063
सूर्य	25/01/2006	चंद्र	24/01/2013	मंगल	25/01/2031	राहु	25/01/2047	गुरु	25/01/2066

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/01/2066		25/01/2083		25/01/2090		26/01/2110		26/01/2116	
25/01/2083		25/01/2090		26/01/2110		26/01/2116		00/00/0000	
बुध	22/06/2068	केतु	23/06/2083	शुक्र	26/05/2093	सूर्य	15/05/2110	चंद्र	25/11/2116
केतु	19/06/2069	शुक्र	22/08/2084	सूर्य	26/05/2094	चंद्र	14/11/2110	मंगल	27/06/2117
शुक्र	19/04/2072	सूर्य	28/12/2084	चंद्र	25/01/2096	मंगल	22/03/2111	राहु	26/12/2118
सूर्य	24/02/2073	चंद्र	29/07/2085	मंगल	26/03/2097	राहु	13/02/2112	गुरु	26/04/2120
चंद्र	26/07/2074	मंगल	25/12/2085	राहु	27/03/2100	गुरु	02/12/2112	शनि	26/11/2121
मंगल	23/07/2075	राहु	13/01/2087	गुरु	26/11/2102	शनि	14/11/2113	बुध	27/04/2123
राहु	09/02/2078	गुरु	20/12/2087	शनि	26/01/2106	बुध	20/09/2114	केतु	26/11/2123
गुरु	17/05/2080	शनि	27/01/2089	बुध	25/11/2108	केतु	26/01/2115	शुक्र	01/02/2125
शनि	25/01/2083	बुध	25/01/2090	केतु	26/01/2110	शुक्र	26/01/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 11 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि की विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगी।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचती हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होती हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पति के समक्ष जाती हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पति की सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाती हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाली नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाली प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगी एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकती हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगी। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप पुरुष के प्रति विरोधात्मक रुख आपनाएंगी तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति की महिला हो तथा अपने जीवन में सफल होंगी। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखती रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि की धार्मिक महिला हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकती है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकती हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकती हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सकी तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।